



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 19] नई दिल्ली, शनिवार, मई 11, 1985 (वैशाख 21, 1907)
No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 11, 1985 (VAISAKHA, 1907)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय सूची	पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खंड 1—भारत सरकार के मंत्रालयों (एका मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	409	भाग II—खंड 3—उप-खंड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिनमें एका मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ कानून क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा किए गए सामान्य सांख्यिक नियमों और सांख्यिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपबधियां भी शामिल हैं) के हिस्से में प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खंड 3 या खंड 4 में प्रकाशित होते हैं)
भाग I—खंड 2—भारत सरकार के मंत्रालयों (एका मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	581	भाग II—खंड 4—एका मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांख्यिक विषय और आदेश
भाग I—खंड 3—एका मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांख्यिक आदेशों के संबंध में अधिसूचनाएं	—	भाग II—खंड 1—उच्चतम न्यायालय, महासेवा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेलवे प्रशासनों, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संबन्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं
भाग I—खंड 4—एका मंत्रालय द्वारा जारी की गयी सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों आदि के संबंध में अधिसूचनाएं	629	भाग III—खंड 2—मेट्रो कार्यालय, कनकनूरा द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं और नोटिस
भाग II—खंड I—अभिव्यक्त, अपवादों और विधिवत	*	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं
भाग II—खंड 1—क—अभिव्यक्तों, अपवादों और विधिवतों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*	भाग III—खंड 4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांख्यिक विभागों द्वारा जारी की गयी अधिसूचनाएं, आदेश निष्ठापन और नोटिस शामिल हैं
भाग II—खंड 2—विशेषक तथा विशेषकों पर प्रवर समितियों के विषय तथा रिपोर्ट	*	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्ति और गैर-सरकारी निवासों द्वारा निष्ठापन और नोटिस
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (एका मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ कानून क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांख्यिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपबधियां आदि भी शामिल हैं)	1081	भाग V—अर्थी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के नोटिसों के बाका अनुपूरक
भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (एका मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ कानून क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांख्यिक आदेश और अधिसूचनाएं	2045	

*पृष्ठ संख्या प्राप्त नहीं हुई।

1—51GI/85

CONTENTS

	PAGES		PAGES
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	409	PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (III)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) on General Statutory Rules & Statutory Orders (including bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India including the Ministry of Defence) and by General Authorities (other than Administrations of Union Territories) ..	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) ..	381	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence ..	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence ..	—	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the Supreme Court, Auditor General, Union Public Service Commission, Railways Administrations, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	16069
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence ..	629	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	451
PART II—SECTION 1—Notifications, Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners ..	—
PART II—SECTION 1-A—Authoritative text in the Hindi Language of Ordinances and Regulations ..	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies ..	1041
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills ..	*	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	75
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (I)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	1081	PART V—Supplement showing statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi ..	*
PART II—SECTION 3—Sub-Sec. (II)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) ..	245		

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बंधित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 अप्रैल 1985

सं० 49-प्रेस/85—राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को उरुग्वै कीरता के कार्यों के लिए "कीर्ति चक्र" प्रदान किए जानेका सहर्ष अनुमोदन करते हैं—

कर्नल ल्योनिद कीसिम

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि 4 अप्रैल, 1984)

अंतरिक्ष यान के पायलट और "हीरो आफ सोवियत यूनियन" कर्नल ल्योनिद कीसिम 1965 में अंतरिक्ष यात्रियों की यूनिट में शामिल हुए। इन्होंने "सोयुज-टी-3" अंतरिक्ष यान और "सोयुज टी-6" अंतरिक्ष स्टेशन के कमांडर के रूप में 1980 में पहली ओर अंतरिक्ष उड़ान भरी। कर्नल ल्योनिद कीसिम कर्मी दल के दो सदस्यों के साथ 8 फरवरी, 1984 को "सोयुज टी-10" से अंतरिक्ष में गए और भारत सोवियत संयुक्त अंतरिक्ष अभियान के दौरान "सोल्यूत-7" अंतरिक्ष यान में रेजिडेंट क्रू के रूप में काम किया। इन्हें "प्रोग्रेस-19" अंतरिक्ष यान द्वारा ले जाए गए हमारे सभी वैज्ञानिक उपकरणों को "सोल्यूत-7" में लगाना था। "प्रोग्रेस-19" 23 फरवरी, 1984 को "सोल्यूत-7" से जुड़ गया। इसके अलावा इन्होंने अंतरिक्ष में किए जाने वाले विभिन्न प्रयोगों से संबंधित उपकरणों पर चिन्ह आदि लगाए और 4 अप्रैल, 1984 को "सोयुज टी-11" के कर्मी दल के उन सदस्यों के स्वागत की सारी व्यवस्था की, जिनमें भारतीय अंतरिक्ष यात्री स्वबाहुन लोडर राकेश शर्मा भी शामिल थे।

इन्होंने "सोयुज टी-11" के कर्मी दल के सदस्यों के वैज्ञानिक प्रयोगों में उनकी मदद की और अंतरिक्ष से किए गए दूर-प्रसारण कार्यक्रमों में भी भाग लिया। इसके साथ-साथ इन्होंने "सोयुज टी-11" को, काम सफलतापूर्वक पूरा करने पर उसे "सोयुज टी-10" से अलग करने और 11 अप्रैल, 1984 को वहां से वापिस लौटने में उनकी मदद की।

इस प्रकार कर्नल ल्योनिद कीसिम ने संयुक्त भारत-रूस अंतरिक्ष अभियान के दौरान बाह्य अंतरिक्ष की शान्तिपूर्ण खोज में अदम्य साहस और निर्भीकता का परिचय दिया।

श्री व्लादिमीर सोलोव्योव

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि 4 अप्रैल, 1984)

श्री व्लादिमीर सोलोव्योव का जन्म 11 नवम्बर, 1946 को मास्को में हुआ था। इन्होंने मास्को पाउमन हायर टेक्नीकल स्कूल के स्नातक की उपाधि प्राप्त की। ये 1978 में अंतरिक्ष यात्रियों की श्रेणी में शामिल हुए। श्री व्लादिमीर सोलोव्योव अंतरिक्ष इंजीनियर, कर्मीदल के दो अन्य सदस्यों के साथ "सोयुज टी-10" से अंतरिक्ष में गए और भारत-सोवियत संयुक्त अंतरिक्ष अभियान के दौरान "सोल्यूत-7" अंतरिक्ष यान में रेजिडेंट क्रू के रूप में काम किया। इन्हें "प्रोग्रेस-19" अंतरिक्ष यान द्वारा ले जाए गए हमारे सभी वैज्ञानिक उपकरणों को "सोल्यूत-7" में लगाना था। "प्रोग्रेस-19" 23 फरवरी, 1984 को "सोल्यूत-7" से जुड़ गया। इसके अलावा इन्होंने अंतरिक्ष में किए जाने वाले विभिन्न प्रयोगों से संबंधित उपकरणों पर चिन्ह आदि लगाए और 4 अप्रैल, 1984 को "सोयुज

टी 11" के कर्मीदल के उन सदस्यों के स्वागत की सारी व्यवस्था की, जिनमें भारतीय अंतरिक्ष यात्री स्वबाहुन लोडर राकेश शर्मा भी शामिल थे।

इन्होंने "सोयुज टी-11" के कर्मीदल के सदस्यों के वैज्ञानिक प्रयोगों में उनकी मदद की और अंतरिक्ष से किए गए दूर-प्रसारण कार्यक्रमों में भी भाग लिया। इसके साथ-साथ इन्होंने "सोयुज टी-11" को, अपना काम सफलतापूर्वक पूरा करने पर उसे "सोयुज टी-10" से अलग करने और 11 अप्रैल, 1984 को वहां से वापिस लौटने में उसकी मदद की।

इस प्रकार श्री व्लादिमीर सोलोव्योव ने संयुक्त भारत-रूस अंतरिक्ष अभियान के दौरान बाह्य अंतरिक्ष की शान्तिपूर्ण खोज में अदम्य साहस और निर्भीकता का परिचय दिया।

श्री ओलेग अतकोव

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि 4 अप्रैल, 1984)

श्री ओलेग अतकोव का जन्म 9 मई, 1949 को क्वोरोस्त्याव्स्का में हुआ था। इन्होंने मास्को सेकोनांव मेडिकल इन्स्टीट्यूट से चिकित्सा स्नातक की उपाधि प्राप्त की। ये हृदय रोग के निदान के लिए पराश्वनि प्रणाली के क्षेत्र में योग्य शोधकर्ता के रूप में निवृत्त हैं। सन् 1978 में इन्हें इस क्षेत्र में किए गए आविष्कार के लिए लैनिनिट कोम्मोमोल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

ये "सोल्यूत-7" अंतरिक्ष यान में अनुसंधान कार्य कर रहे हैं। इन्होंने कर्मी दल के दो अन्य सदस्यों के साथ भारत-सोवियत संयुक्त अंतरिक्ष उड़ान के दौरान रेजिडेंट क्रू के रूप में काम किया। इन्हें "प्रोग्रेस-19" अंतरिक्ष यान द्वारा ले जाए गए हमारे सभी वैज्ञानिक उपकरणों को "सोल्यूत-7" में लगाना था। "प्रोग्रेस-19" 23 फरवरी, 1984 को "सोल्यूत-7" से जुड़ गया। इसके अलावा इन्होंने अंतरिक्ष में किए जाने वाले विभिन्न प्रयोगों से संबंधित उपकरणों पर चिन्ह आदि लगाए और 4 अप्रैल, 1984 को "सोयुज टी-11" के कर्मी दल के उन सदस्यों के स्वागत की सारी व्यवस्था की, जिनमें भारतीय अंतरिक्ष यात्री स्वबाहुन लोडर राकेश शर्मा भी शामिल थे।

इन्होंने "सोयुज टी-11" के कर्मी दल के सदस्यों के वैज्ञानिक प्रयोगों में उनकी मदद की और अंतरिक्ष से किए गए दूर-प्रसारण कार्यक्रमों में भी भाग लिया। इसके साथ-साथ इन्होंने "सोयुज टी-11" को, अपना काम सफलतापूर्वक पूरा करने पर उसे "सोयुज टी-10" से अलग करने और 11 अप्रैल, 1984 को वहां से वापिस लौटने में उसकी मदद की।

इस प्रकार श्री ओलेग अतकोव ने संयुक्त भारत-रूस अंतरिक्ष अभियान के दौरान बाह्य अंतरिक्ष की शान्तिपूर्ण खोज में अदम्य साहस और निर्भीकता का परिचय दिया।

सु० नीलकंठम, राष्ट्रपति का उप सचिव

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1985

सं० 13019/3/84-जीपी(1)—मंत्रालय की अधिसूचना सं० 13019/2/84 जीपी(1) ता० 14-6-1984 के अधीन "बादरा और नगर हवेली" की 1-4-84 से 31-3-85 तक की अवधि के लिए गठित गृह मंत्रालय की सलाहकार समिति के कार्यकाल को 30-4-85 तक बढ़ाया जाता है।

सुरेन्द्र कुमार, उप सचिव

उद्योग और कंपनी कार्य मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 19 अप्रैल 1985

आदेश

सं० 14(1)/85-पेपर—केंद्रीय सरकार, कामज (उत्पादन का विनियमन) आदेश, 1978 के खंड 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मेसर्स टोटोगढ़ पेपर मिलिंग लिमिटेड को, जिसके एकक पश्चिमी बंगाल में कांकीनाड़ा और टोटोगढ़ तथा उड़ीसा में चौदवार में है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि उक्त मिलों को, ठीक पूर्ववर्ती तीन वर्षों में भारी वित्तीय हानि हुई है, 1 अक्टूबर, 1984 को प्रारंभ होने वाली और 30 सितम्बर, 1985 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए उक्त आदेश के खंड 3 की अपेक्षाओं से छूट देती है।

जी० सुवरम्, अवसर सचिव

तकनीकी विकास महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1985

संकल्प

सं० ग्लास/10(4)/83—मरकार ने 29-10-1983 के संकल्प सं० ग्लास/10(4)/83 के अधीन भारत के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो वर्ष की अवधि के लिए ग्लास तथा ग्लासवेयर उद्योग की विकास नामिका का पुनर्गठन किया है।

उक्त संकल्प 19-11-1983 को भारत के राजपत्र के भाग-1 खंड-1 में प्रकाशित किया गया था।

नामिका के सदस्य, श्री आई० एच० पद्मसी का निधन हो जाने के कारण, उनके स्थान पर श्री ए०सी० पद्ममसी को लेने का निर्णय किया गया है।

श्री संजय तक्षतवाला के स्थान पर श्री सी०ए० तक्षतवाला को नामिका के सदस्य के रूप में लेने का निर्णय किया गया है क्योंकि श्री संजय तक्षतवाला का अब ग्लास तथा ग्लासवेयर उद्योग से कोई संबंध नहीं है।

तकनीकी विकास महानिदेशालय के अपर औद्योगिक सलाहकार, श्री जी० एल० केसबानी को नामिका के सदस्य के रूप में लेने का भी निर्णय किया गया है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाए। यह भी आदेश दिया जाता है कि ग्राम सूचना के लिए इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

के० सी० गजबाल, निदेशक (प्रशासन)

समाज और महिला कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1985

संकल्प

सं० 1-26/83-सी०एस०इल्डू०बी०—भारत सरकार इस मंत्रालय के दिनांक 28 सितम्बर, 1983 के संकल्प संख्या 1-26/83 सी०एस० इल्डू०

बी० में वार्षिक आशोधन करते हुए भारत सरकार केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के सामान्य निकाय में निम्नलिखित सदस्यों की तत्काल नामित करती है :—

1. श्री इन्द्रजीत खन्ना, संयुक्त सचिव,
[श्री एस०पी० विश्वनोई के स्थान पर ग्रामीण विकास विभाग के प्रतिनिधि के रूप में]
2. श्री एल०एस० नारायणन, वित्तीय सलाहकार
समाज और महिला कल्याण मंत्रालय,
डा० मनमोहन सिंह के स्थान पर वित्त मंत्रालय
के प्रतिनिधि के रूप में
3. डा० के० जी० कृष्णामूर्ति, संयुक्त सलाहकार,
कु० रोमा मजूमदार के स्थान पर योजना आयोग
के प्रतिनिधि के रूप में।
2. सामान्य निकाय का कार्यकाल 30 सितम्बर, 1986 तक होगा।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रतिलिपि निम्नलिखित को भेजी जाए :—

1. केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड के सभी सदस्य।
2. सब राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेश प्रशासन।
3. भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग।
4. राष्ट्रपति सचिवालय।
5. प्रधान मंत्री कार्यालय।
6. योजना आयोग।
7. लोक सभा/राज्य सभा।
8. मंत्रिमंडल सचिवालय।
9. पत्र सूचना कार्यालय, नई दिल्ली।
10. सेवा परीक्षा निदेशक, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली।
11. कम्पनी कार्य विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली।
12. कम्पनियों के रजिस्ट्रार, कंचनजंगा बिल्डिंग, बाराकम्बा रोड, नई दिल्ली।
13. क्षेत्रीय निदेशक, कम्पनी विधि बोर्ड, कामपुर।
13. कार्यकारी निदेशक, केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, जी०ईन दीप बिल्डिंग, नई दिल्ली।
15. राज्य समाज कल्याण सलाहकार बोर्डों के सब अध्यक्ष।
16. सभी राज्यों के राज्यपाल/यमी केन्द्र शासित प्रदेशों के उप-राज्यपाल।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को साधारण जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

सी० पी० मुजारा, संयुक्त सचिव

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली दिनांक 20 अप्रैल 1985

संकल्प

सं० 32/10/84-स्मारक, पुरातत्वीय अनुसंधान आयोजित करने वाले भारतीय विश्वविद्यालयों और पुरातत्वीय सिद्धान्तों की प्रयोग्यता से सम्बन्धित अध्ययन करने, भाषी पुरातत्त्वज्ञों को प्रशिक्षण देने और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के कार्यक्रमों के साथ राज्य सरकारों और भारत की शिक्षण सोसायटियों का घनिष्ठ सहयोग प्रदान करने वाली अन्य संस्थाओं के साथ भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के घनिष्ठ सम्बन्धों की प्रोत्साहित करने की वृष्टि से, राष्ट्रपति 15 दिसम्बर, 1984 से चार वर्षों की अवधि के

लिए केन्द्रीय पुरातत्व सलाहकार बोर्ड का महर्ष पुनर्गठन करते हैं, जिसका गठन और भाग नीचे दिए गए हैं :

गठन :

अध्यक्ष

(i) संस्कृति विभाग में पुरातत्व के प्रभारी राज्य मंत्री।

सदस्य

(ii) सचिव, भारत सरकार, संस्कृति विभाग।

(iii) सचिव, पर्यावरण विभाग।

(iv) अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग।

(v) संयुक्त शिक्षा सलाहकार (सं० और भा०), संस्कृति विभाग।

(vi) महानिदेशक, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद।

(vii) महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण।

(viii) अपर महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण।

(ix) निदेशक, राष्ट्रीय संग्रहालय।

(x) महानिदेशक भारतीय मानव-विज्ञान, सर्वेक्षण।

(xi) पर्यटन महानिदेशक, भारत सरकार।

(xii) महा सर्वेक्षक, भारतीय सर्वेक्षण।

(xiii) मुख्य अभियन्ता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग।

(xiv) मुख्य आयोजक, नगर और देहात आयोजना संगठन।

(xv) निदेशक, आयोजना और वास्तुकला विद्यालय।

(xvi) जीन, भारतीय फोटो प्रदर्शन संस्थान, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन प्राधिकरण।

(xvii) तीन संसद सदस्य, एक राज्य सभा में चुना हुआ और दो लोक सभा में चुने हुए।

(xviii) भारतीय इतिहास कांग्रेस, अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन, एशियाटिक सोसायटी, भारतीय पुरातत्व सोसायटी और भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद् का एक-एक नामजद व्यक्ति।

(xix) भारत के विश्वविद्यालयों के पांच प्रतिनिधि जो भारतीय इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व विषय के विश्वविद्यालय स्तर के हैं और विश्वविद्यालयों द्वारा सिफारिश किए गए नामों की सूची से भारत सरकार द्वारा नामजद हों।

(xx) प्रत्येक राज्य सरकार/संघ शासित क्षेत्र का एक-एक प्रतिनिधि

(xxi) भारत सरकार द्वारा नामजद पुरातत्व अध्ययन के रुचि रखने वाले दो वैज्ञानिक।

(xxii) निदेशक, राष्ट्रीय विज्ञान संस्थान।

(xxiii) निदेशक, राष्ट्रीय मनुष्य विज्ञान संस्थान।

(xxiv) पुरातत्वीय क्षेत्रीय कार्य में वास्तव में कार्यरत संस्थाओं के दो व्यक्तियों सहित अपनी-अपनी वैयक्तिक योग्यता के कारण भारत सरकार द्वारा नामजद पांच व्यक्ति।

(xxv) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अंतर्गत महानिदेशक।

सदस्य सचिव

(xxvi), संयुक्त महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण।

कार्य :

बोर्ड, इसके सदस्यों द्वारा इसे भेजे गए भारत में पुरातत्व सम्बन्धी मामलों पर, भारत सरकार को सलाह देगा। यह ऐसे मामलों पर सरकार के विचारार्थ सुझाव भी दे सकता है। बोर्ड, इसके समक्ष आए विशेष मामलों की जांच करने और रिपोर्ट देने के लिए जब कभी आवश्यक हो, उपममितियां स्थापित कर सकता है।

2. बोर्ड की एक वर्ष में एक बार बैठक होगी, बैठक की तारीख और स्थान अध्यक्ष द्वारा तय किया जाएगा।

3. बोर्ड के सदस्य के रूप में चुने गए संसद सदस्यों का कार्यकाल उस सदन की उनकी सदस्यता के कार्यकाल तक सीमित होगा जो उन्हें चुनेगा।

4. राष्ट्रपति महर्ष यह भी आदेश देने हैं कि केन्द्रीय पुरातत्व सलाहकार बोर्ड एक स्थायी समिति स्थापित करेगा जिसका गठन और कार्य निम्नलिखित होंगे।

गठन :

अध्यक्ष और संयोजक

महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण।

सदस्य

बोर्ड के पांच सदस्य जो बोर्ड के सदस्यों द्वारा उन्हीं में से चुने जाएंगे।

कार्य :

स्थायी समिति सामान्यतः देश में पुरातत्व निष्पादन के सम्बन्ध में इस बोर्ड को सलाह देगी, इसे भेजी गई सभी रिपोर्टों और मर्दों पर विचार करेगी तथा बोर्ड की बैठक की कार्यसूची पर अपने विचार व्यक्त करेगी और ऐसे अन्य कार्य करेगी जो सरकार अथवा बोर्ड का अध्यक्ष अथवा इस समिति का अध्यक्ष इसे सौंपेगा। यह, जब कभी आवश्यक हो, सहयोजित करने के अधिकार के साथ उप-समितियां स्थापित कर सकती है। इसकी बैठक एक वर्ष में दो बार से अधिक नहीं होगी।

आवेश

7. आदेश दिया जाता कि सभी सम्बन्धितों को इस संकल्प की एक-एक प्रति भेजी जाए।

डा० एम० एस० नागराजराव, महानिदेशक

सिचाई और विद्युत मंत्रालय

(सिचाई विभाग)

नई दिल्ली दिनांक 23 मार्च 1985

संकल्प

सं० 4/17/79-परि०चार/परि० तीम—यह संकल्प ज्ञात तथा प्रत्याशित उच्च-श्रेष्ठ के चुने के पत्रों की आने की बाणसागर परियोजना के अन्तर्गत जलमान होने से बचाने के लिए आवश्यक उपचारों का उठाने की सिफारिश करने हेतु गठित उच्चस्तरीय समिति के सम्बन्ध में इस विभाग के 20 अगस्त, 1982 तथा 24 अगस्त, 1983 के समसंख्यक संकल्प के अनुक्रम में है।

इस समिति की अवधि 30 जून, 1986 तक बढ़ा दी गई है

आवेश

यह आदेश दिया जाता है कि उपर्युक्त संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

यह आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को बिहार, मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश की राज्य सरकारों, राष्ट्रपति के निजी तथा सेना सचिवों, प्रधान मंत्री के कार्यालय, भारत के नियंत्रक तथा महा लेखा परीक्षक, योजना आयोग तथा केन्द्र सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों और बाणसागर नियंत्रण बोर्ड के सदस्यों एवं इसकी कार्यकारिणी समिति को सूचनाार्थ सूचित कर दिया जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि बिहार, मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश के राज्यों से अनुरोध किया जाए कि इसे राज्यों के राजपत्रों में सभी की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाए।

मा० आ० चितले, संयुक्त सचिव

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1985

संकल्प

सं० हिन्दी/समिति/83/38/5—रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के दिनांक 3-10-83 तथा समय-समय पर संशोधित समसंख्यक संकल्पों के क्रम में श्री काशीनाथ उपाध्याय “भ्रमर” (बेधड़क बनारसी), सी-4/31, सराय में गोबर्धन, बाराणसी को एतद्वारा रेल मंत्रालय के अधीन गठित रेलवे हिन्दी मलाहकार समिति का सदस्य नामित किया जाता है।

आदेश

यह आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिमंडल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा तथा राज्य सभा सचिवालय और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेज दी जाये।

यह भी आदेश दिया जाता कि सर्वसाधारण की सूचना के लिए यह संकल्प भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गये।

भ्रमर नाथ बाबू, सचिव, रेलवे बोर्ड
तथा

भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 1st April 1985

No. 49-Pres./85.—The President is pleased to approve the award of 'KIRTI CHAKRA' to the undermentioned persons for acts of conspicuous gallantry :—

COLONEL LEONID KIZIM

(Effective date of the award : 4th April 1984)

Colonel Leonid Kizim, a pilot cosmonaut and "Hero of Soviet Union" joined the cosmonauts Unit in 1965. He carried out his first space flight as Commander of the Soyuz T-3 spacecraft and the Salyut-6 orbital station in 1980. On the 8th February 1984 Colonel Leonid Kizim along with two crew members was launched on board Soyuz T-10 and performed the duties of Resident Crew on board "Salyut-7" for the Indo-Soviet joint space flight. They were responsible for setting up all our scientific equipment, carried into space by 'Progress-19' Cargo spacecraft, which had docked on the 23rd February 1984, with Salyut-7. Besides they also calibrated the equipment for various experiments and made all the arrangements to receive the crew of "Soyuz T-11" on the 4th April 1984, in which Indian Cosmonaut, Squadron Leader Rakesh Sharma was a participant.

These Cosmonauts assisted the crew of Soyuz T-11 in the performance of their scientific tasks and participated in all the telecasts from space. In addition, the crew of 'Soyuz T-11' was assisted in making preparations for their undocking in the 'Soyuz T-10' and facilitated their departure on the 11th April, 1984, on successful termination of their Mission.

Colonel Leonid Kizim thus displayed conspicuous courage and daring in the peaceful exploration of outer space in a Joint Indo-Soviet Space Mission.

SHRI VLADIMIR SOLOVYOV

(Effective date of the award : 4th April, 1984)

Shri Vladimir Solovyov born in Moscow on the 11th November, 1946, is a graduate of Moscow Bauman Higher Technical School. He joined the ranks of cosmonauts in 1978.

Shri Vladimir Solovyov, Cosmonaut Engineer, was launched on board 'Soyuz T-10' along with two other crew members and performed the duties of Resident Crew on board "Salyut-7" for the Indo-Soviet Joint space flight. They were responsible for setting up all our scientific equipment, carried into space by 'Progress-19' Cargo spacecraft, which has docked on the 23rd February, 1984, with 'Salyut-7'. Besides they also calibrated the equipment for various experiments and made all arrangements to receive the crew of "Soyuz T-11" on the 4th April, 1984, in which Indian Cosmonaut, Squadron Leader Rakesh Sharma was a participant.

These Cosmonauts assisted the crew of "Soyuz T-11" in the performance of their scientific tasks and participated in all the telecasts from space. In addition, the crew of 'Soyuz T-11' on the 4th April, 1984, in which Indian Cosmonaut, ing in the 'Soyuz T-10' and facilitated their departure on the 11th April, 1984, on successful termination of their Mission.

Shri Vladimir Solovyov thus displayed conspicuous courage and daring in the peaceful exploration of outer space in a Joint Indo-Soviet Space Mission.

SHRI OLEG ATKOV

(Effective date of the award : 4th April, 1984)

Shri Oleg Atkov born in Khyorstovanka on the 9th May, 1949, is a medical graduate from Moscow Sechenov Medical Institute. He has proved himself to be an able researcher in the field of ultrasound methods of diagnosing heart diseases. In 1978 he was awarded the Leninist Komsomol Prize for his invention in this field. He is a research cosmonaut on board "Salyut-7". He along with other two crew members performed the duties of Resident Crew on board "Salyut-7", for the Indo-Soviet joint space flight. They were responsible for setting up all our scientific equipment, carried into space by 'Progress-19' Cargo Spacecraft, which had docked on the 23rd February, 1984, with Salyut-7. Besides they also calibrated the equipment for various experiments and made all arrangements to receive the crew of "Soyuz T-11" on the 4th April, 1984, in which Indian Cosmonaut, Squadron Leader Rakesh Sharma was a participant.

These Cosmonauts assisted the crew of Soyuz T-11 in the performance of their scientific tasks and participated in all the telecasts from space. In addition, the crew of 'Soyuz T-11' was assisted in making preparations for their undocking in the 'Soyuz T-10' and facilitated their departure on the 11th April, 1984, on successful termination of their Mission.

Shri Oleg Atkov thus displayed conspicuous courage and daring in the peaceful exploration of outer space in a Joint Indo-Soviet Space Mission.

S. NILAKANTAN
Deputy Secretary to the President

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 16th April 1985

No. 13019/3/84-GP(I).—The tenure of the Home Minister's Advisory Committee for Dadra & Nagar Haveli re-constituted under this Ministry's Notification No. 13019/2/84 GP(I), dated 14-6-1984 for the period from 1-4-1984 to 31-3-1985 is extended upto 30-4-1985.

SURENDRA KUMAR, Dy Secy.

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

New Delhi, the 19th April 1985

ORDER

No. 14(1)/85-Paper.—In exercise of the powers conferred by clause 9 of the Paper (Regulation of Production) Order, 1978, the Central Government hereby exempts for the period commencing on the 1st October 1984 and ending on the 30th September 1985 M/s. Titagur Paper Mills Co. Ltd. having units at Kankinara and Titagur in West Bengal and Chowdhar in Orissa from the requirements of Clause 3 of the said order having regard to the fact that the said mills have suffered heavy financial losses in the immediately preceding three years.

G. SUNDARAM, Under Secy.

DIRECTORATE GENERAL OF TECHNICAL
DEVELOPMENT

New Delhi, the 16th April 1985

RESOLUTION

No. Glass/10(4)/83.—Vide Resolution No. Glass/10(4)/83 dated 29-10-1983 Government has re-constituted the Development Panel for Glass & Glassware Industry for a period of 2 years from the date of publication of the Resolution in Gazette of India.

The said Resolution was published in Part I Section 1 of Gazette of India dated 19-11-1983.

Due to sad demise of Shri I. H. Padamsee, member of the Panel, it has been decided to induct Shri A. C. Padamsee in his place.

In place of Shri Sanjay Taktawala it has been decided to take Shri C. A. Taktawala as a member of the Panel, since Shri Sanjay Taktawala is no longer involved with the Glass & Glassware Industry.

It has also been decided to induct Shri G. L. Keshwani, Additional Industrial Advise. DGTD, as a member of the Panel.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned. Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

K. C. GANJWAL
Director (Admn.)

MINISTRY OF SOCIAL AND WOMEN'S WELFARE

New Delhi-1, the 15th April 1985

RESOLUTION

F. No. 1.26/83-CSWB.—In partial modification of Ministry of Social & Women's Welfare Resolution No. 1-26/83-CSWB, dated 28 September 1983, the Government of India is pleased to nominate the following members on the General Body of the Central Social Welfare Board, with immediate effect :—

- (i) Shri Inderjit Khanna, Joint Secretary, as representative of Deptt. of Rural Development, vice Shri S. P. Vishnoi,
- (ii) Shri L. S. Naryanan, Financial Adviser, Ministry of Social & Women's Welfare, as representative of Ministry of Finance, vice Dr. Man Mohan Singh.
- (iii) Dr. K. G. Krishnamurthi, Joint Adviser, as representative of Planning Commission, vice Miss Roma Mazumdar.

2. The tenure of the General Body is up to 30th September 1986.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to :—

1. All Members of the Central Social Welfare Board.
2. All the State Governments/Union Territories.
3. All the Ministries/Departments of the Government of India.
4. President Secretariat.
5. Prime Minister's Office.
6. Planning Commission.
7. Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat.
8. Cabinet Secretariat.
9. Press Information Bureau, Shastri Bhawan, New Delhi.
10. The Director of Audit, Central Revenues, New Delhi.
11. Department of Company Affairs, Shastri Bhawan, New Delhi.

12. The Registrar of Companies, Kanchajunga Building, Barakhamba Road, New Delhi.
13. The Regional Director, Company Law Board, Kanpur.
14. The Executive Director, Central Social Welfare Board, Jeevan Deep, Sansad Marg, New Delhi-110001.
15. All Chairman, State Social Welfare Advisory Boards.
16. Governors of All States Lt. Governor of all U.Ts.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

C. P. SUJAYA, Lt. Secy.

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

RESOLUTION

New Delhi, the 20th April 1985

No. 32/10/84-M.—With a view to promoting closer contacts of the Archaeological Survey of India with Indian Universities conducting archaeological researches and other institutions carrying out studies related to application of archaeological principles, training future archaeologists, and providing for closer association of learned societies in India and of the State Governments with the activities of the Archaeological Survey of India, the President is pleased to reconstitute the Central Advisory Board of Archaeology for a period of four years from the 15th December 1984 with the following composition and functions;

Composition :

Chairman

1. Minister of State in charge of Archaeology in the Department of Culture.

Members

2. Secretary to the Government of India, Department of Culture.
3. Secretary, Department of Environment.
4. Chairman, University Grant Commission.
5. Joint Educational Adviser (C&L), Department of Culture.
6. Director General, Council of Scientific and Industrial Research.
7. Director General, Archaeological Survey of India.
8. Additional Director General, Archaeological Survey of India.
9. Director, National Museum.
10. Director General, Anthropological Survey of India.
11. Director General of Tourism, Government of India.
12. Surveyor General, Survey of India.
13. Chief Engineer, Central Public Works Department.
14. Chief Planner, Town and Country Planning Organisation.
15. Director, School of Planning and Architecture.
16. Dean, Indian Photo-Interpretation Institute of the National Remote Sensing Agency.
17. Three members of Parliament, one elected from the Rajya Sabha and two elected from Lok Sabha.
18. A nominee each of Indian History Congress, All India Oriental Conference, Asiatic Society, Archaeological Society of India and Indian Council of Historical Research.
19. Five representatives of the Universities of India of the rank of University Professor of Indian History, Culture and Archaeology nominated by the Government of India from a list of names recommended by the Universities.
20. A representative each of the State Government/Union Territories.
21. Two Scientists having interest in Archaeological Studies, nominated by the Government of India.

22. Director, National Institute of Design.
23. Director, National Institute of Oceanography.
24. Five persons nominated in their personal capacities by the Government of India including two persons belonging to institutions actually engaged in archaeological field work.
25. Ex-Directors General of Archaeological Survey of India.

Member Secretary

26. Joint Director General, Archaeological Survey of India.

Functions :

The Board shall advise the Government of India on matters relating to Archaeology in India referred to it by its members. It may also make suggestions on such matters for the consideration of the Government. The Board may set up Sub Committees, as and when necessary to examine and report on specific issues before it.

2. The Board shall meet once in a year, the date/s and venue of the meeting being decided by the Chairman.

3. The tenure of the Members of Parliament elected to be members of the Board shall be limited to the tenure of their Membership of the House which elected them.

4. The President is also pleased to order that the Central Advisory Board of Archaeology shall set up a Standing Committee with the following composition and functions.

Composition :

Chairman and Convenor

Director General, Archaeological Survey of India.

Members

Five members of the Board to be elected by the Members of the Board amongst themselves.

Functions :

The Standing Committee shall advise this Board generally on the promotion of Archaeological pursuance in the country, consider all reports and items referred to it and express its views on the agenda for the Board's meetings and perform such other functions as the Government or the Chairman of the Board or the Chairman of the Committee may assign to it. It may set up sub-committees as and when necessary with power to co-opt. It may meet not more than twice a year.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned.

DR. M. S. NAGARAJA RAO
Director General

**MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER
(DEPTT. OF IRRIGATION)**

New Delhi, the 23rd March 1985

RESOLUTION

No. 4/17/79-P.IV/P.III.—In continuation of this Department's Resolution of even number dated the 20th August 1982 and 24th August 1983 regarding the High Level Committee set up for recommending necessary protective measures for known and prospective high grade lime-stone deposits from submergence under the Bansagar Project and other related matters.

The term of the Committee is extended upto 30th June 1986.

ORDER

ORDERED that the above Resolution be published in the Gazette of India.

ORDERED also that this Resolution be communicated to the State Governments of Bihar, Madhya Pradesh and Uttar Pradesh Private and Military Secretaries to the President, the Prime Minister's Office, the Comptroller and Auditor-General of India, the Planning Commission and all Ministries/Departments of the Central Government and the Members of the Bansagar Control Board and its Executive Committee for information.

ORDERED also that the State Governments of Bihar Madhya Pradesh and Uttar Pradesh be requested to publish it in the State Gazettes for general information.

M. A. CHITALE, Jt. Secy.

**MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)**

New Delhi, the 12th April 1985

RESOLUTION

No. Hindi/Samiti/83/38/5.—In continuation to Ministry of Railways' (Railway Board's) Resolution of even number dated 3-10-83 and changes made there-in from time to time, Shri Kashinath Upadhyay 'Bhramar' (Bedhadak Banarasi) C-4/31, Sarai Goverdhan, Varanasi is hereby nominated as a member of Railway Hindi Salahkar Samiti constituted under Ministry of Railways.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the Prime Minister's Office, Cabinet Sectt., Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha and Rajya Sabha Sectts. and Ministries and Departments of Government of India.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

A. N. WANCHOO
Secy., Railway Board

&
ex-officio Joint Secretary to the
Govt. of India